

सर्वनाम

परिभाषा-

- (1) वासुदेवनंदन प्रसाद- संज्ञाओं के बदले जो शब्द आते हैं उन्हें सर्वनाम कहते हैं।
- (2) पं. कामताप्रसाद गुरु- सर्वनाम उस विकारी शब्द को कहते हैं जो पूर्वापर सम्बंध से किसी भी संज्ञा के बदले आता है।
- (3) डॉ. उमेशचन्द्र शुक्ल- संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले विकारी शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।

हिंदी में कुल सर्वनाम 11 हैं। जैसे- मैं, तुम, यह, वह इत्यादि।

सर्वनाम के प्रकार-प्रयोग के आधार पर सर्वनाम के 6 भेद हैं।

- (1) पुरुषवाचक सर्वनाम- पुरुष या स्त्री के नाम के बदले जो सर्वनाम आते हैं।

हिंदी में कुल तीन प्रकार के पुरुषवाचक सर्वनाम हैं।

- (1) उत्तम पुरुष-वक्ता अथवा लेखक के लिए अपने लिए जिन सर्वनाम का प्रयोग करे। जैसे- मैं, हम।
- (2) मध्यम पुरुष-वक्ता अथवा लेखक श्रोता के लिए अपने लिए जिन सर्वनाम का प्रयोग करे। जैसे- तू, तुम, आप।
- (3) अन्य पुरुष-वक्ता अथवा लेखक अन्य के लिए जिन सर्वनाम का प्रयोग करे। जैसे- यह, वह।

पास के लिए-यह और दूर के लिए-वह

(2)निजवाचक सर्वनाम-"जो सर्वनाम किसी निज संज्ञा के उद्देश्य को स्पष्ट करे वह सर्वनाम निजवाचक सर्वनाम है।" उसका सार्वनामिक रूप 'आप' है। जिसका तीन रूपों में प्रयोग होता है।-

(1)दूसरे व्यक्ति के निराकरण के लिए-

उदा.वह औरों को नहीं अपने आप को सुधार रहा है।

(2)सर्वसाधारण अर्थ के लिए-

उदा. आप भला तो जग भला।

(3)अवधारणा(निश्चय)के अर्थ के लिए-

उदा.मैं यह काम आप ही कर लूंगा। अथवा घास आप ही उगती है।

(3)निश्चयवाचक सर्वनाम- जिस सर्वनाम से वक्ता के पास या दूर की किसी वस्तु के निश्चय का बोध हो,उसे...

(1)पास की वस्तु के लिए-यह सर्वनाम

उदा.यह मेरी पुस्तक है।

(2)दूर की वस्तु के लिए-वह सर्वनाम

उदा.वह तेरी पुस्तक है।

(4) अनिश्चयवाचक सर्वनाम- जिस सर्वनाम से किसी निश्चित वस्तु का बोध न हो, अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे-कोई,कुछ

उदा.-तेरे मन में कुछ तो है। कोई मिल गया।

(5) **सम्बन्धवाचक सर्वनाम-** जिस सर्वनाम से वाक्य में किसी दूसरे सर्वनाम से संबंध स्थापित किया जाय उसे सम्बन्धवाचक सर्वनाम कहते हैं।

उसके दो सार्वनामिक रूप हैं-जो-सो

उदा.(1)जो डर गया सो मर गया।

(2)जो चाहो सो ले लो।,

(6) **प्रश्नवाचक सर्वनाम-**प्रश्न करने के लिए जिन सर्वनाम का प्रयोग होता है उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं।

उसके दो सार्वनामिक रूप हैं-कौन,क्या।

उदा.कौन है जो मेरे दिल में समाया जाता है?

क्या खूब लगती हो?

कौन का प्रयोग चेतन जीवों के लिए होता है।

क्या का प्रयोग जड़ जीवों के लिए होता है।
